Department of Sanskrit
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: One-Day Workshop on 'How to Converse in Sanskrit'
24th February, 2025

The Department of Sanskrit of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind organized a one-day workshop under the chairmanship of the college principal Dr. Poonam Mor on 24th February, 2025 on the topic 'How to Converse in Sanskrit'. In this workshop 40 students from the Sanskrit department participated with great enthusiasm. On this occasion, Dr. Neelam Rani, Assistant Professor of Sanskrit addressed the students and said that Sanskrit language is not only an ancient language but is also the basis of Indian culture, tradition and knowledge. In the present times, the need for Sanskrit conversation has increased due to many reasons. Now a days, the possibilities of using Sanskrit in artificial intelligence, robotics and computer programming are increasing. This language is very accurate and logical from the scientific point of view, which also proves to be helpful in technical fields. The Haryana government is also promoting it due to which trilingualism has been implemented in the ninth and tenth classes in the upcoming session. If we adopt Sanskrit conversation, not only will our culture be safe, but we will also get intellectual and professional benefits. Therefore ‘Sanskritam Jeevati Jeevayamah’ Sanskrit is alive, make it simpler.

Glimpses and Media Coverage of the Event

दैनिक जागरण पानीपत, 25 फरवरी, 2025

संस्कृत भारतीय संस्कृति व परंपरा का आधार : सांगवान

जागरण संवाददाता • जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्या डा. पूनम मोर की अध्यक्षता में हुआ। इसका विषय संस्कृत में संभाषण कैसे करें रहा। इसमें संस्कृत की 40 छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। संस्कृत प्राध्यापिका डा. नीलम सांगवान ने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, अपितु भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं ज्ञान का आधार भी है। वर्तमान समय में संस्कृत संभाषण की आवश्यकता अनेक कारणों से बढ़ गई है। आजकल कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में संस्कृत के उपयोग की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक परिशुद्ध और तार्किक है।

दैनिक भास्कर

पानीपत. मंगलवार, 25 फरवरी, 2025

'संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं ज्ञान का आधार'

जींद. हिंदू कॉलेज में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लेते हुए।

जींद| हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग ने कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें संस्कृत की 40 छात्राओं ने भाग लिया।संस्कृत प्राध्यापिका डॉ. नीलम सांगवान ने कहा कि संस्कृत भाषा केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, अपितु भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं ज्ञान का आधार भी है। वर्तमान समय में संस्कृत संभाषण की आवश्यकता अनेक कारणों से बढ़ गई है। आजकल कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में संस्कृत के उपयोग की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक परिशुद्ध और तार्किक है, जो तकनीकी क्षेत्रों में भी सहायक सिद्ध हो जाती है। जिससे आगामी सत्र में नौवीं एवं दसवीं कक्षा में त्रिभाषा लागू कर दी गई है, जिससे संस्कृति को अनिवार्य भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा।